राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Class - 3

कर्मचारी भर्ती परीक्षा 2026

राजस्थानी मुहावरे कहावतें

राजस्थान क्लासेज

- Click Here

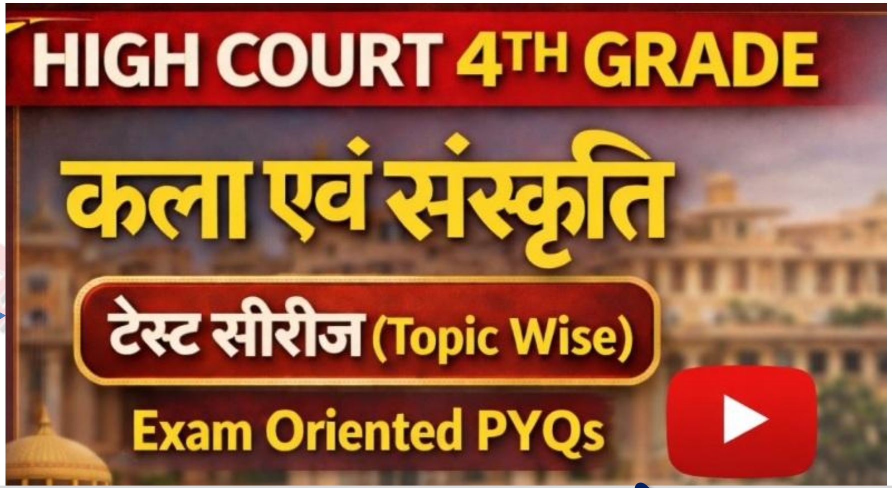

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf – मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

- बादकी देख घड़ो फोड़णो - झूठी बात पर काम करना।
- भरोसै री भैंस, पाड़ो ल्याई - जिस कार्य में विशेष लाभ की आशा हो लेकिन वैसा लाभ न हो पाए ।
- नवाज छुटाण नैं गया रोजा गळे पड़ग्या - एक समस्या के साथ दूसरी समस्या आ जाना
- नांव जिसाई गुण - जैसा नाम वैसे गुण।
- नाजुरतिया री लुगाई, जगत री भोजाई - कमजोर / गरीब का सभी शोषण करते हैं।
- ना सावण सुरंगो, ना भादवो हरयो - सदा एक समान होना।
- नेकी कर कूवैं मैं न्हांक - अच्छा काम कर के भूल जाना।

- भूंड रो ठीकरो कोई नीं लिया करै - बदनामी किसी को स्वीकार नहीं होती है।
- मूंछयाँ रा चावळ राखणा - अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखना।
- पांचूं आंगळी एकसी कोनी हुवै – प्रत्येक व्यक्ति या वस्तु समान नहीं होती है।
- पाप री पांण आये बिन कोनी रैवे – बुरे कार्य का नतीजा पता चल ही जाता है
- पूत सपूतां क्यूं धन संचै, पूत कपूतां क्यूं धन संचै - पुत्र सपूत हो अथवा कपूत उनके लिए धन संचय करना निरर्थक है।
- पूत रा पग पालणै में ई पिछाणीजै - पुत्र के गुणों की पहचान पालने में हो जाती है।
- पोल रो टक्को पोल में गयो - मुफ्त का धन व्यर्थ में गया।

- बिस री बैंल रे फक बिना कोंनी रैंवें - कड़वी बेल के फल अधिक लगते हैं।
- संवारे शे गाजियो एळो नी जावें - प्रातः काल बादल गर्जना अवश्य वर्षा लाती हैं !
- बड़ा बड़ाई न करें बड़ा न बोलें बोल वास्तव में जो बड़े होते हैं वे अपनी महानता नहीं बखानते ।
- बाड़ खेत नें खाय - रक्षक ही भक्षक बन जाय।
- बगल में छोरो गांव में ढिंढोरो - कोई वस्तु स्वयं के पास होने पर भी उसके लिए हाय-तौबा करना।

राजस्थान क्लासेज

- रीस रै आंख्याँ नी हुआ करै - क्रोध में व्यक्ति कुछ नहीं देखता।
- लेवण गई पूत, गमा आई खसम -पुत्र को लेने गई, पति को खो आई।
- फूट पड़्यां रावण मरै, कुळ रो होवै हाण - आपसी फूट विनाश का कारण बनती है।
- फूट्या भाग फकीर रा भरी चिलम गुड़ ज्याय - भाग्य साथ न हो तो हाथ आया अवसर भी छूट जाता है।
- फूट्योड़ो घड़ो आवाज सूं पिछाणीजै - किसी की वाणी बोलने से पहचानी जाती है!
- बंधी भारी लाख री खुली तो बिखर ज्याय - संगठित रहे तभी कीमत है, अलग-अलग होने पर तिनके-से बिखर जाते हैं।

- बड़ा बड़ाई न करैं बड़ा न बोलैं बोल - वास्तव में जो बड़े होते हैं वे अपनी महानता नहीं बखानते ।
- बाड़ खेत नैं खाय - रक्षक ही भक्षक बन जाय।
- बाप न मारी मींडकी, बेटो तीरंदाज - बेटां बाप से होशियार ।
- हथैळी माथैं जान राखणी - जोखिम का काम करना।
- सांभर में पडैं सो लूण संगत से भला भी बुरा हो जाता है।
- बा'रा बरस दिल्ली मैं रैय' र भाड़ झोंकी - अच्छे स्थान पर रहकर भी लाभ न उठाना।
- बिना पेंदे रो लोटो, चावे जिया गुड़ ज्यावैं - एक बात पर स्थिर न होना।

RAJASTHAN CLASSES राजस्थान क्लासेज

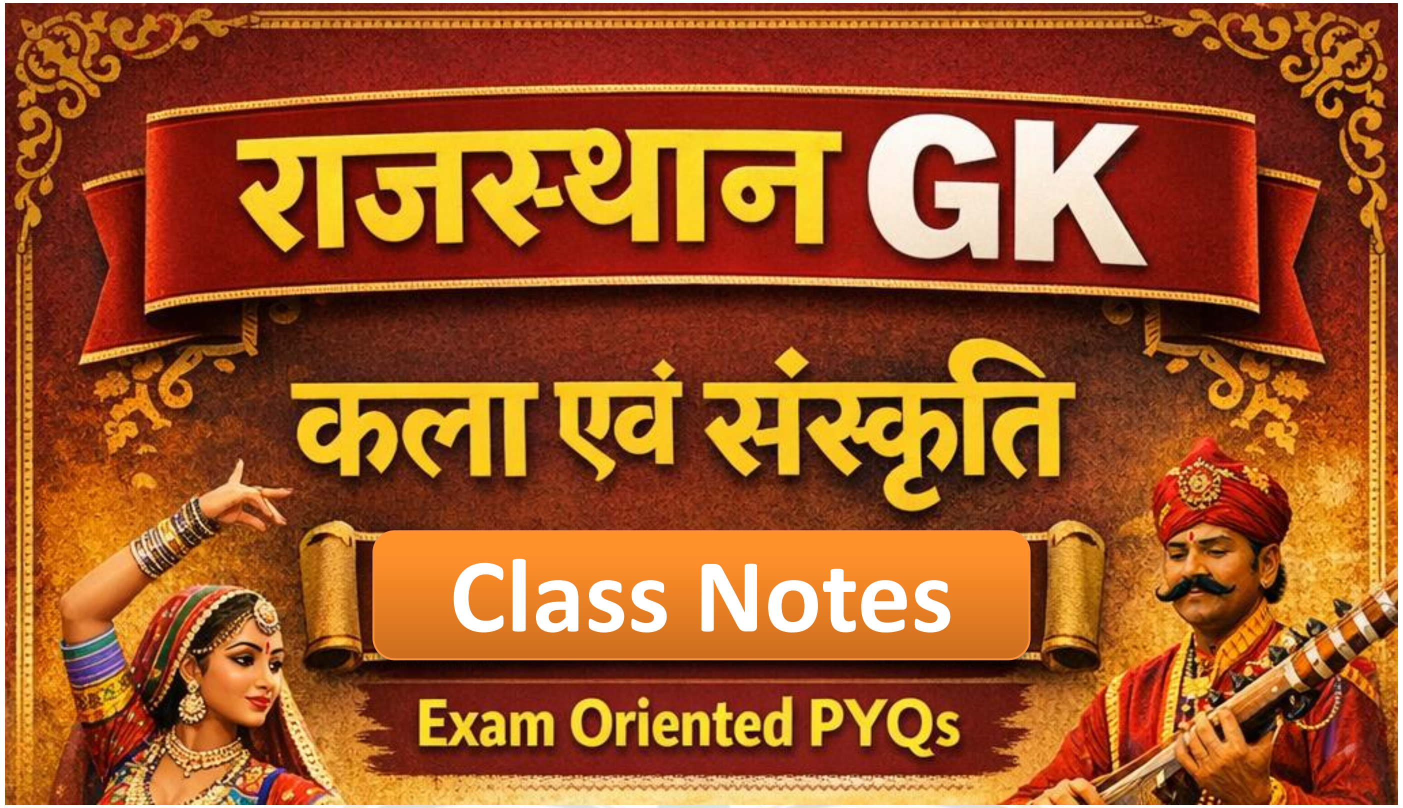

राजस्थान क्लासेज

- Click Here

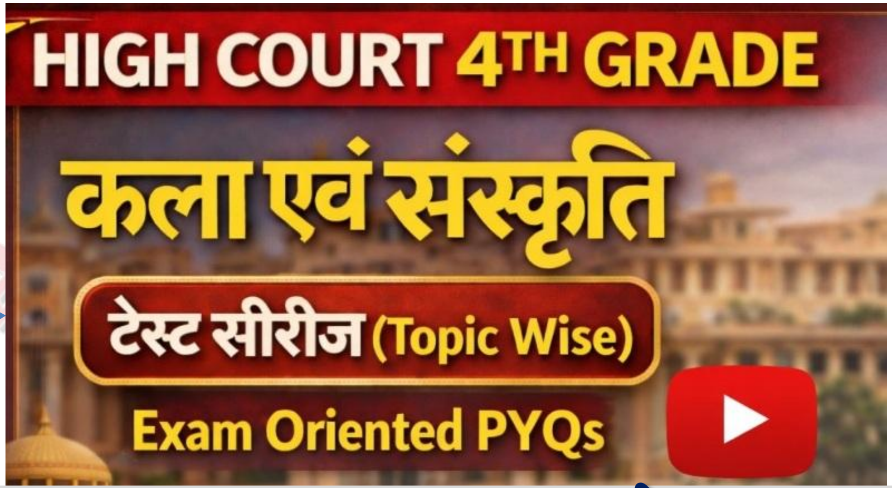

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज